28.5.25 पत्रावली पेश हुई उभय पक्ष उपस्थित प्रकरण मे वकील प्रार्थी द्वारा निवेदन किया गया है कि प्रा.पत्र वर्णित आराजियात का प्रार्थी द्वारा बेचान कर दिया गया है जिससे प्रार्थी प्रा.पत्र वर्णित आराजियात मे किसी प्रकार की न्यायालय से राहत नही चाहते है। प्रा.पत्र की कार्यवाही ड्रोप कि जावे। प्रकरण मे प्रार्थी पत्थर गढी न ही कराना चाहते है। अतः प्रा.पत्र अन्तर्गत 1284-A की कार्यवाही ड्रोप की जाती है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।

W/